शरण तिहारी | by Simran Kaur

जबसे शरण तेरी आई हूँ बाबा
क्या बतलाऊँ क्या पा गई बाबा
मौज में कटने लगी ज़िन्दगी
जबसे कृपा की नज़र है पड़ी
सांवरिया मैं तो तेरी हुई
चरण से नेह लगा कर के
मेरे बाबा मैं तो तेरी हुई
चरण से नेह लगा कर के

सुर संगीत का ज्ञान नहीं था
तूने प्रेमियों में पहचान दिलाई
अपनों ने जब भी साथ दिया ना
तूने ही मेरी पकड़ी कलाई
अब हर ग़म भी हंसने लगा है
टकराके मुझसे थकने लगा है
ये तो है तेरी कृपा सांवरे
जबसे नज़र तेरी मुझपे पड़ी
सांवरिया मैं तो तेरी हुई
चरण से नेह लगाकर के
मेरे बाबा मैं तो तेरी हुई
चरण से नेह लगा कर के

पूजा का ज्ञान ना था करू कैसे वंदना
शीश झुकाऊं बाबा करूँ मैं आराधना
तेरे भरोसे मेरे जीवन की नैया
पकड़ो कलाई मेरी मेरे सांवरिया
जबसे तूने मेरी की सुनवाई
पापी मन बावरे को मिली है रिहाई
किस्मत मेरी चमकने लगी
जबसे कृपा की नज़र है पड़ी
सांवरिया मैं तो तेरी हुई
चरण से नेह लगाकर के
मेरे बाबा मैं तो तेरी हुई
चरण से नेह लगा कर के

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%a4%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-simran-kaur/